NAME - PRATYUSH. P. NAYAK
STD - VII SEC-A SCHOOL NO - 2561

Date ____
Page ____

१.
क) कवि चिर दुख और सुख नहीं चाहाते क्योंकी उन दीनों का मेल होना चाहिए। ~~वैसे~~ जैसे बच्चे आँख मिचौनी खेल में कुछ समय आँखें बन्द करके फिर खोल देते हैं, उसी प्रकार जीवन के खेल में सुख या दुख आँख खोले और फिर बन्द करते हैं।

(ख) युवक ने हँसकर कहा - "अब मुझे कुछ इनाम चाहते हो?"। और वह ~~किसान~~ युवक और कोई नहिं बल्की सरदार सुजानसिंह है।

२. एकलव्य हस्तिनापुर के निकट वन के पास बसती के सरदार हिरण्यधनु का पुत्र था। तीर चलाने में हस्तिनापुर के आसपास एकलव्य की बराबरी करने वाला कोई नहीं था। एकलव्य और अधिक निपुणता प्राप्त करने के लिए गुरु द्रोणाचार्य के पास गया। द्रोणाचार्य बाण-विद्या के अद्वितीय ~~के~~ आचार्य थे। उन्होंने तीर चलाकार किसी राजकुमार की अँगूठी को कुएँ से बाहर निकाल दिया था। हस्तिनापूर आकर रंगभूमि में दोपहर के समय एकलव्य ने राजकुमारों को अभ्यास करते और बाण चलाते देखते। अर्जुन कि धनुर्विद्या देखकर एकलव्य के मुह से वाह - वाह सब्द निकल आया। एक दिन एकलव्य गुरु को

अपने धनुर्विद्या सिखाने को बोला गुरु ने साफ मना करते हुए कहा - मैं सिर्फ राजकुमारों को सीखाता हूँ।" एकलव्य दुख से वापस जंगल को चला गया मन में अभी भी उनको गुरु मानता था। उसने कुछ दिनों के बाद गुरु द्रोणा चार्य का मूर्ति बनाया और अपने आप धनुविद्या चलाना आरम्भ किया। धीरे धीरे वह बाण चलानाने में माहिर होगया। एक दिन वह बाण चलाने में अभ्यास कर रहे थे, गुरु और राजकुमारों लेकर जंगल आये थे उनके साथ उनका पालतु कुत्ता था। जाते जाते उनका कुत्ता कहीं और चलागया। कुत्ता जोकर एकलव्य को भौंक रहा था एकलव्य के साधना पर खलल पड़ रहा था इसीलिए उन्होंने तिर कुत्ते का मुख बाणों से भर दिया बाण इतने कुशलता से बाण चलाए कि कुत्ते को एक भी चोट नहि लगी। कुत्ता अपने गुरु के पास चलाआया इतने तिर देखकर कौन चलाया है उनको खोजने लगे खोजते - खोजते एकलव्य को देखे उनको देखके गुरु आश्चर्य हो गए इतने कुशलता तिर चलाना कहा से सीखा मन में सोचकर अपने आश्रम को लौट आये मन में डर था इस बातकी कि वह अर्जुन को श्रेष्ठ धनूर्धर बनना चाहते थे। एक दिन गुरु द्रोणाचार्य एकलव्य के पास गए और पुछे तुम्हारा गुरु कौन है? एकलव्य

ने गुरु द्रोणाचार्य कि मूर्ति दिखाते कहा ये मेरे गुरु हैं। द्रोणाचार्य ने गुरुदक्षिणा में उसके दाहिने हाथ का अँगूठा माँग लिया। एकलव्य ने बिना कुछ सोचे उनको अपना अगूँठा काटकर दे दीया।

3.

क) काम, क्रोध, मद और लोभ छोड़कर सभी सज्जन राम की भजना करते हैं।

ख) गुरु द्रोणाचार्य एकलव्य को इनकार करदिया ~~क्योंकी~~ क्योंकि वह केवल राजकुमारों को विद्यादान करते थे।

2) ~~क~~ मेरा एक सपना है कि मैं डॉक्टर बनूँ। वैसे तो कई व्यवसाय हो सकते हैं, जिससे मैं धन कमा सकता हूँ, लेकिन डॉक्टर बनकर मैं धन कमाने के साथ-साथ मानवता के प्रति अपने कर्त्तव्य की पूर्ति भी कर पाऊँगा, ऐसा मेरा मानना है। जब भी मैं डॉक्टरों द्वारा मरीजों को संतुष्टि पहुँचाते देखता हूँ तो मेरी इच्छा और भी बलवती हो जाती है। इसके लिए बहुत धन भी खर्च करना होगा, साथ ही इस महान लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपने आराम और सुविधाओं का त्याग भी करना होगा, यह मैं अच्छी तरह जानता हूँ। मुझे लगता है कि एक डॉक्टर को सबसे पहले एक अच्छा इंसान होना चाहिए।

Date
Page

5. सेवा में,
श्री प्रधानाध्यापक महोदय
राजकीय इंटर कॉलेज,
गोरखपुर

विषय: छात्रवृत्ति के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र

महोदय,
सेवा में सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय मे ~~कक्षा~~ सातवी कक्षा का विद्यार्थी हूँ। मेरे पिताजी सरकारी दफ्तर में चपरासी थे परन्तु अब वह सेवानिवृत्त हो गए हैं। हम पांच भाई-बहन हैं अत: घर का खर्च बड़ी ही कठिनाई से चल पा रहा है। इन परिस्थितियों के कारण मेरा पढ़ाई कर पाना असंभव हो गया है। अत: आपसे अनुरोध है कि मुझे छात्रवत्ति प्रदान करने की कृपा करें, जिससे मैं अपनी पढ़ाई कर पाना असंभव हो गया है। अत: आपसे अनुरोध है कि मुझे छात्रवृत्ति प्रदान करने कि कृपा करें, जिससे मे अपनी पढ़ाई जारी रख सकूं

आशा करता हूँ की मुझे छात्रवृत्ति प्रदान करे दी जायेगी

आपका आज्ञाकारी
प्रत्युष

दीनांक:- 28-2-2022

Date
Page

६) पंकज - अमर ! क्या तुमने आज का अखबार पढ़ा ?
- अमर - नहीं, क्या कोई विशेष खबर छपी है ?
पंकज - हाँ बाढ़ के कारण कई गाँव पानी में डूब रहे हैं खेतों में पानी भरने से फसलें डूब रही होगी
- अमर - ऐसे में लोगों को बड़ी परेशानी हो रही होगी ?
- पंकज - लोग जैसे - तैसे अपने सामान और मवेशियों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं।
- अमर - ऐसों की मदद के लिए हमें तुरंत चलना चाहिए। वे जहाँ भी हैं, उनकी मदद करनी चाहिए।
पंकज - मैं अपने मित्रों के साथ कुछ कपड़े, खाने की वस्तुएँ, मोमबत्ती, माचिस आदि इकट्ठा करके आज दोपहर तक पहुँच जाना चाहता हूँ।
- अमर - यह तो बहुत अच्छा रहेगा। मैं अपने साथियों से कहूँगा कि वे कुछ रूपये भी दान स्वरूप दें, ताकि उनके लिए पानी की बोतलें और जरूरी दवाइयाँ खरीदा जा सके।
पंकज - तुमने बहुत अच्छा सोचा है। क्या तुम भी मेरे साथ चलोगे ?
- अमर - मैं अवश्य साथ चलूँगा और मुसीबत में फँसे लोगों की मदद करूँगा।

Date
Page

6. डेल लैप टॉप स्टोर

हमारे पास सभी डेल कंपानी के नए मॉडल लैप टॉप उपलब्ध है।

नए मॉडल लैप टॉप

डेल वोस्ट्रो 15 3568, i36 वीं जनरल, 1 टिबी एचडी

4जीबी डीडीआर2 4रैम, विंडोज 10

होम 64बिट इंगल युजर प्रीइंस्टॉल्ड, प्रीइंस्टॉल्ड एमएस ऑफिस, एसडी कार्ड रीडर, डीवीडी ड्राइव, 45 डब्ल्यू चार्जर, इनवॉयस भी उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
डेल लैप टॉप स्टोर
खलिनी शिमला 171002.

Phone no - 3243510882

Date ____
Page ____

८. कुछ बच्चे विद्यालय में मस्ती कर रहे हैं।

* केक, बिस्कुट, सब हैं।

* सभी पार्टी में नाच, गीत रहे हैं।

* बच्चे बड़े सब खुशी में हैं।

* चारी छुपे एक लाल रंग का कपड़ा पहना हुआ बच्चा खा रहा है।

* सभी बच्चे मस्ती में खोए हुए हैं।

*